SOLRAK

RAMAYAN PRACHAAR VIDHI

द्वारा संकलित:

कृष्ण दत्त प्रसाद | सुखेंद्र प्रसाद | अजय नारायण | मुनेश्वर प्रसाद | राजेश्वर प्रसाद

श्री एवं श्रीमती मंगरू प्रसाद और देव नारायण के मार्गदर्शन और सहयोग से

रामायण पूजा वेढ़ी की स्थापना - याज़मान

एक आशन पर शुद वस्त्र बिचावेह | उशी पार कलश स्थापित करेह, एक पात्र मेह चावल भरकर उश पर घी का दीपक sajah leh |

किशी पात्र में अगरबत्ती sajah leh | सीता, राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुगान और हनुमान जी का एक संयुक्ट तस्वीर को आशन पर इस तरह रखें की श्रोतागण पूरी तरह से दर्शन कर सकें |

एक थाली में आरती सजह ले, किशी पात्र में सभी प्रसाद निकालकर रख लेह | पूजा की समागरीएक थाली में राख लेह |

सिंघाशन केह उपर कुश रखनेह केह बाद रामायण महारानी कोह उसके उपर रख देह |

रामायण प्रारंभ - फातगगन

सभी का ध्यान प्राप्त करें और सूचित दें कि रामायण पूजा अब शुरू हो रही है |

इस्थान पावित्र

प्रथम नीचे मन्त्र से जल छिड़क कर आसन एवं समाग्री को शुद्ध करे :

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपिवा ।
यः स्मरेत पुण्डरीकाक्षं स वाह्याभ्यन्तरः शुचिः ॥
ॐ पुनातु पुण्डरीकाक्षंः, ॐ पुनातु पुण्डरीकाक्षंः, पुनातु

Om Apavitrah Pavitro Vaa Sarva-Avasthaam Gato-[A]pi Vaa |
Yah Smaret-Punnddariikaakssam Sa Baahya-Abhyantarah Shucih

निम्न मन्त्रों से क्रमशः तीन बार आचमन करे और आसन शुद्ध करे-

ॐ केशवाय नमः ॥ ॐ माधवाय नमः ॥ ॐ नारायणाय नमः ॥
हाथ धोलें :- **ॐ पुनातु पुण्डरीकाक्षंः, ॐ पुनातु पुण्डरीकाक्षंः, पुनातु**

बायें हाथ में जल ले, दाहिने हाथ की अनामिका उगंली से अगं स्पर्श करेः

ॐ वाङ्. में आस्ये अस्तु ॥ ॐ नसोरमें प्राण अस्तु ॥
ॐ अक्षणोर्में चक्षुरस्तु ॥ ॐ कर्णयोमें श्रौतमस्तु ॥
ॐ बाह्वोमें बलमस्तु ॥ ॐ ह्रदय में शान्तिरस्तु ॥
ॐ ऊर्वो में ओजोऽस्तु ॥ ॐ अरिष्टानि मेंअंगानि तनुस्तन्वामे सहसन्तु ।
ॐ पुनातु पुण्डरीकाक्षंः, ॐ पुनातु पुण्डरीकाक्षंः, पुनातु

अब कुश का बना हुआ "पवित्रि" या "पैंति" (छल्ला) को धारण करें ।

जल छिड़क कर आसन पवित्र करे - "**ॐ पृथ्वी त्वया धृता लोका, देवी त्वं विष्णुना धृता । त्वं च धारय मां देवि! पवित्रं कुरू च आसनम् ॥**

अब धरती पर हाथ रख कर प्राथना करें :

ॐ भूरसि भूमिरस्य ऽदितिरसि विश्वधाता विश्वस्य भुवनस्य धात्रीं ।
पृथिवीं यच्छ पृथिवीं दृष्ह पृथ्वीं मा हिष्सीः ॥

ॐ सकल गुण आत्मिकाये नमः, ॐ आदि वाराह्ये नमः, ॐ आदि शक्तये नमः, ॐ पृथवे नमः, ॐ शेषनागाये नमः, ॐ आदि कूरमाये नमः, ॐ क्षेत्रपालाये नमः, ॐ दिकपालाये नमः, ॐ लोक पालाये मन, ॐ नौग्रहादि देवताये नम ।

रामायण, मूर्ति, यजमान और भक्त कोह तिलक लगा

यजमान को तिलक लगायें :

तिलकः

ॐ चन्दनस्य महत्पुण्यं, पवित्रं पापनाशं, आपदां हरते नितयं, लक्ष्मीस्तिष्ठति सर्वदा ।

यजमान के हाथ में रक्षा सूत्र को बाँधेः
ॐ येन बद्धो बलिः राजा, दानवेन्द्रो महाबलः, तेनत्वाम अभि-बध्नाामि, रक्षे माचल माचल

प्रकाश अगरबत्ती और दीया

Request the host to Light Agarbatii & Diyan

अब दीप प्रज्वलित करें - **भो दीप! देव-रूपस्त्वं कर्म साक्षी ह्यविघ्न-कृत ।**
यावत् कर्म-समाप्तिः स्यात् ता वत्त्वं सुस्थिरो भव ॥

ॐ आचमनियम् समर्पयामि, ॐ तिलकं समर्पयामि, धूपं समर्पयामि, पुष्पं समर्पयामि, श्री भो दीप नमो नमः

गणेश जी को पूजा

हाथ में फूल और चावल ले कर श्री गणेश जी का आवाहन करे -
ॐ गणनान्त्वा गणपतिः ह्नहवामहे, प्रियाणान्त्वा प्रियपति ह्नहवामहे, निधीनांत्वा निधीपतिः ह्नहवामहे, वसोमम आहमजानि, गर्भधमात्वजासि गर्भधम ॥ (१) ॥

ॐ विनायकं महत्पुण्यं सर्व देव नमस्कृतम ।
सर्वविघ्नहरं गौरीपुत्र मावाहयाम्यह्म ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
ॐ सिद्धि बुद्धि सहिताय श्रीमन महागणधिपतये नमः

इस के बाद निम्न मन्त्रों से क्रमशः पाद्य, अर्ध, आचमन, स्नान, वस्त्र, जनेऊ, चन्दन, पुष्प, धूप, दीप, नैबेद, ताम्बूल, पूगीफल, दक्षिना आदि चढ़ा के गणेश जी का पूजन नीचे लिखेन गए मन्त्रें के द्वारा करे --

ॐ पाद्यम् समर्पयामि श्री गणपतये मनः । ॐआचमनियम् समर्पयामि श्रीगणपतये मनः ।
ॐ स्नानं समर्पयामि श्री गणपतये मनः । ॐ वस्त्रम् समर्पयामि श्री गणपतये मनः ।
ॐ यजोपवत्तं समर्पयामि श्री गणपतये मनः । ॐ गन्धं समर्पयामि श्री गणपतये मनः ।
ॐ अक्षतं समर्पयामि श्री गणपतये मनः । ॐ पुष्पं समर्पयामि श्री गणपतये मनः ।
ॐ धूपं समर्पयामि श्री गणपतये मनः । ॐ नैवेद्यं समर्पयामि श्री गणपतये मनः ।
ॐ पुर्नः आचमनीयम् समर्पयामि श्री गणपतये मनः ।
ॐ तामबूलं समर्पयामि श्री गणपतये मनः । ॐ पूगीफलं समर्पयामि श्री गणपतये मनः ।
ॐ दक्षिणा दानं समर्पयामि श्री गणपतये मनः ।

इस तरह पूजन कर लेने के बाद गणेशजी को नमस्कार कर पुष्पान्जली अरपण करे ।

ॐ समुखश्वैकदन्तश्च कपिलोगजकर्णकः ।
लमबोदरश्च विकटो विघ्ननाशो विनायकः ।
धूर्म्रकेतुर्गणाध्यक्षो भाल चन्द्रो गजाननः द्वादशेतानि यः पठेच्छृणुयादपि ॥
विद्यारम्भे विवाहे च प्रवेशे निर्गमे तथा । संग्रामे संकटे चैव विघ्नस्तस्य न जायते ॥

ॐ वक्र तुण्ड महाकाय, कोटि सुर्य समप्रभः । निर्विघ्नं कुरू में देव सर्वकार्येषु सर्वदा ॥
ॐ गजाननं भूत गणादिसेवितं, कपित जम्बू फल चारू भक्षनं, उमासुतमं शोक विनाशकारकमं नमामी विगनेश्वर पाद पंकजं ।

अभीप्सितार्थ सिद्ध्यर्थ पूजितो यः सुरासुरैः । सर्व विघ्न हृते तस्मै गणाधिपते नमः ॥

ॐ विघ्नेश्वराय वरदाय सुरप्रियाय, लम्बोदराय सकलाय जगद्धिताय । नागाननाय सुरयज्ञ विभूषिताय, गौरी सुताय गणनाथ नमो नमस्ते ॥ इति गणपति पूजन ॥

गौरी पूजा

ॐ सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके । शरण्ये त्र्यंवके गौरी नारायणि नमोस्तुते ॥ ॐ श्री गीर्ये नमः ॥

इस के बाद गौरी माता का पाद्यादि से विधिवत् पूजा कर नमस्कार करे -इसी तरह सभी देवताओं का आवाहन कर उन का पाद्यादि से विधिवत् पूजा करना चाहिये ।

ॐ जयेन्ती मण्गलाकाली भद्रकाली कपालनी, दुग्रा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वाधा नमस्तुते

विष्णु पूजा

फूल चावल ले कर श्री विष्णुजी का आववहन करे -

ॐ केशवं पुण्डरीकाक्षं माधवं मधुसूदनम् ।
रुक्मणी सहितं देवं विष्णु आवाहयाम्यहम् ॥ ॐ श्री विष्णवे नमः ॥

पुष्प चढ़ा कर रोली के छींटे दे कर पूजन करे -

ॐ विष्णोरराट मसि विष्णोः श्नप्त्रेस्थो विष्णोः स्युरसिविष्णोर्ध्रवोऽसि । वैष्णवमसि विष्णवेत्वा ॥

श्री विष्णु भगवान का पूजन करे और सब सामग्री चढ़वे, (जैसे गणेशजी का पूजन किया था) । फिर हाथ जोड़ कर नमस्कार करे -

समस्त सामग्री चढ़ा कर इस मन्त्र द्वारा हाथ जोड़ कर नमस्कार करें ।

शांताकारं भुजगशयनं, पदम्नाभं सुरेशम् ।
विश्वाधारं गगनसदृशं, मेघ वर्ण शुभागम् ॥
लक्ष्मीकांतंकमलनयनं, योगिभिर्ध्यानगम्यम् ।
वन्दे विष्णू भवभय हरं, सर्वलोकैकनाथम् ॥
वसुदेवसुतं देवं, कंसचाणूरमर्दनम ।
देवकीपरमानन्दं, श्री कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम ॥
मोकम करोति बाचालम, पंगूलम्ते गिरिम्
यत् कृपा तम्हः बन्दे, परमानन्दन माधवम्

प्रणाम् : ॐ श्री विष्णुये नमः कोटि कोटि प्रणाम् करोमि ।

शिव पूजा

फूल चावल ले कर श्री शिवजी का आववहन करे -

ॐ शिव शंकर मीशानं द्वादशार्द्ध त्रिलोचन् । उमा सहितं देवं श्री शिव मावाहयाम्यहम् ॥ ॐ श्री शिवाये नमः ॥

श्री शिवजी का पूजन करे और सब सामग्री चढ़वे, (जैसे गणेशजी का पूजन किया था) । फिर हाथ जोड़ कर नमस्कार करे -

ॐ नमः शंभवाय च मयोभवाय च । नमः शंकराय च मयस्कराय च ।
नमः शिवाय च शिवतराय च ॥ ॐ श्री शिवाय नमः ॥

लक्ष्मी पूजन

फूल चावल ले कर श्री लक्ष्मी माता का आववहन करे -

ॐ क्षीर सागर संभूतां शरीरे विष्णुमाश्रिताम ।
यज्ञमान हितार्थाय लक्ष्मीमावाहयाम्यहम् ॥
ॐ श्री लक्ष्म्यै नमः ॥

श्री लक्ष्मी माता का पूजन करे और सब सामग्री चढ़वे, (जैसे गणेशजी का पूजन किया था) । फिर हाथ जोड़ कर नमस्कार करे -

ॐ श्रीश्च ते लक्ष्मीश्च पत्न्या वहोरात्रे पार्श्वे । नक्षत्राणि रुपम-श्विनौ व्यात्तम् ।
इष्णन्निषाणा मुम्मइषाण सर्व लोकंम्म इषाण ॥ ॐ श्री लक्ष्म्यै नमः ॥

ॐ महालक्ष्मी नमस्तुभ्यं, नमस्तुभ्यं सुरेश्वरी । हरिप्रिय नमस्तुभ्यं, नमस्तुभ्यं दयानिधे ।

राम दरबार पूजन

श्री सीता लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न हनुमान समेत रामचंद्रय नमः गंधम (चंदन) समरपैयामी || १ ||

श्री सीता लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न हनुमान समेत रामचंद्रय नमः पुष्पमालायम समरपैयामी || २ ||

श्री सीता लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न हनुमान समेत रामचंद्रय नमः धूपम (अगरबत्ती) समरपैयामी || 3 ||

श्री सीता लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न हनुमान समेत रामचंद्रय नमः दीपक समरपैयामी || 4 ||

श्री सीता लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न हनुमान समेत रामचंद्रय नमःनैवेधम(प्रसाद) समरपैयामी || 5||

श्री सीता लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न हनुमान समेत रामचंद्रय नमः शथकोटी नमस्कार करो मी| 6 ||

हनुमान पूजा

श्री पवनपुत्र हनुमान

मनोजवं मारुततुल्यबेगं, जितेन्द्रिय बुद्धिमतां वरिष्ठम् ।
वातात्मजं वानरयूथमुख्यं, श्री राम दूतं शरम प्रपधे ॥
बन्धौ पवन कुमार, खलवन पावक ज्ञान घन ।
जासु हृदय आगार, बसहिं राम शरचाप धर ॥
याहि समाय सुमिरण करो, सुनहुँ बीर हनुमान ॥
आये के आसन लीजिये, सिया सहित भगवान ॥

सब साम्ग्री से विधिवत् पूजा करे और श्रीहनुमानजी को नमस्कार करे -

अतुलितबलधामं हेमशैलाभदेहं । दनुजवनकृशानु ज्ञानिनामग्रगण्यम् ।
सकल गुणनिधानं वानराणामधीशं । रघुपति प्रियभक्तं वातजातं नमामि ॥

ॐ अञ्जनी सुताय विद्मत्हे, महावीराय धीमही, तन्नो हनुमत प्रचोदयात्

Hey karuna sagar. hey deenbandu. Hey patitpawan prabhu shree Ram Chandra Ji. Aaj hum aapaka pawan yash sharwan karneh keh liyeh aapkoh sewah me sab parivaar upasthith huyein hain. Hum patit hain, App patitpawan hay. Prabhu hamarah uddhar kareh aur ish choti shi puja bhet koh swikaar kijiyeh

Aisha bol kar puja ki samagri murti keh samneh arpit kareh.

Hari Om

Hari Om x 3

Ganeshaay Namah

Aum Shree Ganeshaay Namah x 3

गायत्री मंत्र x 3

ॐ भूर् भुवः स्वः। तत् सवितुर्वरेण्यं।
भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात् ॥

विष्णु बंधना

Shantakaram Bhujagashayanam Padmanabham Suresham
Vishvadharam Gaganasadrisham Meghavarnam Shubhangam।
Lakshmikantam Kamalanayanam Yogibhirdhyanagamyam
Vande Vishnum Bhavabhayaharam Sarvalokaikanatham॥

Twameva Mata Cha Pita Twameva
Twameva Bandhu Cha Sakha Twameva
Twameva Vidya Dravinam Twameva
Twameva Sarvam Mam Dev Deva

ॐ महालक्ष्मी नमस्तुभ्यं, नमस्तुभ्यं सुरेश्वरी। हरिप्रिय नमस्तुभ्यं, नमस्तुभ्यं दयानिधे।

GururBrahma GururVishnu GururDevo Maheshwaraha

Guru Saakshaat ParaBrahma Tasmai Sri Gurave Namaha

Vasudeva Sutam Devam

Kansa Chanura Mardhanam

Devaki Paramaanandham

Krishnam Vande Jagat Gurum x 2

Mangala Charan

Aum Shamno mitra, sham varuna,
Shamno bhaved varyamam
Shamna indro bhrahaspati,
Shamno vishnu uru kramah
Namo brahmane, namaste vayu
Tvameva pratyaksham brahmasi
Tvameva pratyaksham brahma vadisyami
Ritam vadisyami, satyam vadisyami
Tan mamavatu, tad vaktaram avatu
Avatu mam, avatu vaktaram
Om shanti shanti shanti

Shri Ramayan Ji Ki Sumirni

Jai Sumirat Sidhi *Hoy More Rama*, Gan Nayak Kariwar Badna

Karau Anugrah Soi *More Rama*, Buddhi Raasi Subh Gun Sadana

Mook Hoi Baachaal *More Rama*, Pangu Chardhai Giriwar Gahana
Jaasu Kripa So Dayaal *More Rama*, Dravau Sakal Kali Mal Dahana

Neel Saroruhu Syaam *More Rama*, Tarun Arun Vaarij Nayana

Karau So Mam Ur Dhaam *More Rama*, Sada Cheer Sagar Sayana

Kund Indu Sam Deh *More Rama*, Uma Raman Karuna Ayana

Jaahi Deen Par Neh *More Rama*, Karau Kripa Mardan Mayana

Vandau Guru Pad Kanj *More Rama*, Kripa Sindhu Nar Rup Hari

Maha Moh Tam Poonj *More Rama*, Jaasu Vachan Ravi Kar Nikari

Vandau Muni Pad Kanj *More Rama*, Ramayan Jin Nirmayu

Sakhar Sukomal Manju *Hoy More Rama*, Dosh Rahit Dushan Sahita

Vando Charahu Ved *More Rama*, Bhaw Vaaridh Bohit Sarisa

Jinahi Na Sapnehu Khed *More Rama*, Varnat Raghuvar Vishad Yasha

Vandau Vidhi Pad Renu *More Rama*, Bhaw Saagar Jinh Kinh Yaha

Sant Sudha Sashi Dhenu *More Rama*, Pragatay Khal Vish Vaaruni

Vandau Awadh Bhuwaal *More Rama*, Satya Prem Jehi Ram Pada

Bichurat Deen Dayal *More Rama*, Priye Tan Trin Eou Parihare U

Vandau Pawan Kumar *More Rama*, Khal Ban Pawak Gyan Dhana

Jaasu Hriday Aagar *More Rama*, Basahi Ram Shar Chaap Dhara

Vibudh Vipra Budh Guru Charana, Bandi Kahu Kar Jori *Rama Bandi Kahu Kar Jori*

Hoy Prasana Pur Wahu Sakla, Manju Manorath *Rama* Manju Manorath Mori

Gira Arth Jal Beechi Sama, Kahiyat Bhinn na Bhinn Rama Kahiyat Bhinn na Bhinn

Vandau Sita Ram Pada, Jinahi Param Priye Kheen Rama Jinahi Param Priye Kheen

Yaahi Samay Sumiran Karu, Sunahu Veer Hanumaan Rama Sunahu Veer Hanumaan

Aayeke Aasan Leejiye, Siya Sahit Bhagwaan Rama Siya Sahit Bhagwaan

<<offer flowers>>

Sumudh Sugandhit Suman Lay, Suman Subhakti Sudhaar

Pushpaanjali Arpan Karu, Dev Karo Swikaar

Siya War Ram Chandra Ki jay

Jay jay Uma Pati Maha deo ki jay

Pawan suth hanuman ki jay

Go swami tulsi das ki jay

Ramayan maharani ki jay

Radhewar shri krihn chandar ki jay

Bolo bhai sab santan ki jay

Do Phool

Do phool chadane aaya hoon bhagwaan tumhare charno mein x2
Ek Deep jalaane aaya hoon, bhagwan tumare mandir mein x 2
Haan Haan Namaskar bhagwaan tumeh bhaktoh kah baram baram ho
Shardah roopi bhet hamari mangal mein swikaar ho x 2

Shardah roopi bhet hamari mangal mein swikaar ho x 2

Bandaw Charana

Bandow charana kamal Ragunandan Bandow charana

Bandow charana kamal Ragunandan Bandow charana

Jina ki kripaa sakal sukha sampati x 2
Paawana jana bhaktana ura chandana... *Bandow charana*

Bandow charana kamal Ragunandan , Bandow charana

Awadha puri prabhu nitya biraajata x2
Janaka sutaa yuta dushta nikandana… *Bandow charana*

Bandow charana kamal Ragunandan , Bandow charana

Teena taapa aru janama marana bhayo x 2
Door karata chhina may jana ranjana… *Bandow charana*

Bandow charana kamal Ragunandan , Bandow charana

Bhakta namata charan may Bhagavana x 2
Kripaa kariya sevak bhaya bhanjana… *Bandow charana*

Bandow charana kamal Ragunandan , Bandow charana x2

<<offer prasad>>

Ram Rasiya More Mann Basiya
Ruchi Ruchi Bhog Lagao Rasiya
Ram Rasiya Mero Mann Basiya
Ruchi Ruchi Bhog Lagao Rasiya

Sabari Ke Ber Sudaam Ke Tandul
Sabari Ke Ber Sudaam Ke Tandul

Bhav Sahit Tum Khayo Rasiya
Ruchi Ruchi Bhog Lagao Rasiya

Ram Rasiya Mero Mann Basiya
Ruchi Ruchi Bhog Lagao Rasiya

Duryoudhan ghar Meva Tyagi
Duryoudhan ghar Meva Tyagi

Saag Vidur Ghar Khayo Rasiya
Ruchi Ruchi Bhog Lagao Rasiya

<< HAWAN >

हवन कुंड के चारों ओर फूल लगाएं

कपूर एक चम्मच में जला कर और इसे निम्नलिखित मंत्र

के साथ हवन कुंड में छोड़ दें।

ॐ भूर्भुवः स्वः अग्नये नमः, स्थापयामि पूजयामि ॥

चंदन को हवन कुंड के चारों तरफ/कोनों पर लगाएं

निम्नलिखित मंत्र अंक धृत की अहोती के साथ।

ॐ प्रजापतये स्वाहा । इदं प्रजापतये न मम ॥

ॐ इन्द्राय स्वाहा । इदमिन्द्राय न मम ॥

ॐ अग्नये स्वाहा । इदमग्नये न मम ॥

ॐ सोमाय स्वाहा । इदं सोमाय न मम ॥

ॐ भूः स्वाहा । इदमग्नये न मम ॥

ॐ भुवः स्वाहा । इदं वायवे न मम ॥

ॐ स्वः स्वाहा । इदं सूर्याय न मम ॥

निम्न मंत्र के साथ हवन समागरी और घी का अंक (यदि दो व्यक्ति, एक घी और एक हवन समग्री, अन्यथा वैकल्पिक)

ॐ गणपत्यादि पंचलोकपाल देवेभ्यः स्वाहा ॥

ॐ इंद्रादि दशदिक्पाल देवेभ्यः स्वाहा ॥

ॐ सर्वतोभद्रमण्डल देवभ्यः स्वाहा ॥

ॐ सूर्यादि नवग्रह देवेभ्यः स्वाहा ॥

ॐ नवदुर्गायै स्वाहा ॥

ॐ क्षेत्राधिपतये स्वाहा ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय स्वाहा ॥

ॐ नमो भगवते नारायणाय स्वाहा ॥

ॐ नमो भगवते रामचन्द्राय स्वाहा ॥

ॐ नमो भगवते वायुनन्दनाय स्वाहा ॥

ॐ सीता लक्ष्मन भरत शत्रुघ्न हनुमत् समेत श्री
रामचन्द्राय स्वाहा ॥

ॐ भगवते रुद्राय स्वाहा ॥

गायत्री महामंत्र से तीन बार आहुतियां देवे —

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यम् भर्गो देवस्य धीमहि,
धियो यो नः प्रचोदयात्, स्वाहा ॥ इदं गायत्र्यै इदं नमम॥

पूजा की सामग्री – सुपारी, पान, डोरा और हलुआ का प्रसाद लेकर,
खड़े होकर पूर्णाहुति करे —

ॐ सर्वं वै पूर्णं ँ स्वाहा ॥
ॐ सर्वं वै पूर्णं ँ स्वाहा ॥
ॐ सर्वं वै पूर्णं ँ स्वाहा ॥

Ramayan Aarti

Aarti Sri Ramayan ji ki   Kirti kalit lalit siya pi ki x2
Karoh milke sakal Nar Nari Ramayan Maa Ki Aarti x 2

Gaavat brahamadik muni narad   Balmeek bigyaan bisaarad
Suk sankaadi sesh aru saarad   Barni pavansut kirti neeki
Karoh milke sakal Nar Nari Ramayan Maa Ki Aarti x 2

Aarti Sri Ramayan ji ki   Kirti kalit lalit siya pi ki
Gaaroh ved puraan ashtdas   Chhao shastra sab granthan ko ras
Muni jan dhan santan ko sabras   Saar ansh samat sab hi ki
Karoh milke sakal Nar Nari Ramayan Maa Ki Aarti x 2

Gaavat santat sambhu bhavani   Aru ghatsambhav muni bigyani
Vyaas aadi kabi barj bakhaani   Kaagbhusundi garud ke hi ki
Karoh milke sakal Nar Nari Ramayan Maa Ki Aarti x 2

Kalimal harni vishya ras feeki   Subhag singaar mukti jubti ki
Dalan rog bhav moori ami ki   Taat maat sab vidhi tulsi ki
Karoh milke sakal Nar Nari Ramayan Maa Ki Aarti x 2

आरती श्री राम जी की

जगमग जगमग जोत जली है, राम आरती होन लगी है (२)

भक्ति का दीपक प्रेम की बाती, आरती सन्त करे दिन राती। (२)
आनन्द की सरिता उमड़ी है, राम आरती होन लगी है ॥
जगमग जगमग जोत.....

कनक सिघासन सीय समेता, बैठहि राम होइ चित चेता। (२)
बाम भाग मे जनक लली है, राम आरती होन लगी है ॥
जगमग जगमग जोत.....

आरती हनुमत के मन भावे, राम कथा नित शंकर गावे। (२)
संन्तो की ये भीड़ लगी है, राम आरती होन लगी है ॥
जगमग जगमग जोत जली है, राम आरती होन लगी है.....

राम आरती होन लगी है..... राम आरती होन लगी है ॥

लचमी आरती

ॐ जय लक्ष्मी माता मैया जय
लक्ष्मी माता
तुमको निशदिन सेवत
तुमको निशदिन सेवत
हरि विष्णु विधाता
ॐ जय लक्ष्मी माता

उमा रमा ब्रह्माणी तुम ही
जगमाता
मैया तुम ही जगमाता
सूर्य चन्द्रमा ध्यावत
सूर्य चन्द्रमा ध्यावत
नारद ऋषि गाता

ॐ जय लक्ष्मी माता
दुर्गा रूप निरंजनी सुख सम्पत्ति
दाता
मैया सुख सम्पत्ति दाता
जो कोई तुमको ध्यावत
जो कोई तुमको ध्यावत
ऋद्धि-सिद्धि धन पाता
ॐ जय लक्ष्मी माता
तुम पाताल निवासिनि तुम ही
शुभदाता
मैया तुम ही शुभदाता
कर्मप्रभावप्रकाशिनी
कर्मप्रभावप्रकाशिनी
भवनिधि की त्राता
ॐ जय लक्ष्मी माता
जिस घर में तुम रहतीं सब
सद्गुण आता
मैया सब सद्गुण आता
सब सम्भव हो जाता सब सम्भव
हो जाता
मन नहीं घबराता
ॐ जय लक्ष्मी माता
तुम बिन यज्ञ न होते वस्त्र न
कोई पाता
मैया वस्त्र न कोई पाता
खान पान का वैभव खान पान का
वैभव
सब तुमसे आता
ॐ जय लक्ष्मी माता
शुभ गुण मन्दिर सुन्दर
क्षीरोदधि जाता
मैया सुन्दर क्षीरोदधि जाता
रत्न चतुर्दश तुम बिन
रत्न चतुर्दश तुम बिन कोई नहीं
पाता
ॐ जय लक्ष्मी माता
महालक्ष्मीजी की आरती जो कोई
नर गाता
मैया जो कोई नर गाता
उर आनन्द समाता

उर आनन्द समाता पाप उतर
जाता
ॐ जय लक्ष्मी माता
ॐ जय लक्ष्मी माता मैया जय
लक्ष्मी माता
तुमको निशदिन सेवत

तुमको निशदिन सेवत
हरि विष्णु विधाता
ॐ जय लक्ष्मी माता
ॐ जय लक्ष्मी माता
ॐ जय लक्ष्मी माता

हनुमान आरती

आरती कीजै हनुमान लला की
दुष्ट दलन रघुनाथ कला की
आरती कीजै हनुमान लला की

जाके बल से गिरिवर कांपे
रोग दोष जाके निकट न झांके
अनजानी पुत्र महाबलदायी
संतान के प्रभु सदा सुहाई
आरती कीजै हनुमान लला की

दे बीरा रघुनाथ पठाए
लंका जारी सिया सुध लाए

लंका सो कोट समुद्र सी खाई
जात पवनसुत बार न लाई
लंका जारी असुर संहारे
सियारामजी के काज संवारे
आरती कीजै हनुमान लला की

लक्ष्मण मूर्छित पड़े सकारे
आणि संजीवन प्राण उबारे
पैठी पताल तोरि जम कारे
अहिरावण की भुजा उखाड़े
बाएं भुजा असुरदल मारे
दाहिने भुजा संतजन तारे

आरती कीजै हनुमान लला की

सुर नर मुनि जन आरती उतारे
जय जय जय हनुमान उचारे
कंचन थार कपूर लौ छाई

आरती करत अंजना माई
जो हनुमान जी की आरती गावै
बसी बैकुंठ परमपद पावै
आरती कीजै हनुमान लला की
आरती कीजै हनुमान लला की

Shree Jagdish Aarti

Om jai jagdish hare Swami jai jagdish hare

Bhakt jano ke sankat Daas jano ke sankat

Kshan mein door kare.... Om jai jagdish hare

Om jai jagdish hare Swami jai jagdish hare

Bhakt jano ke sankat Daas jano ke sankat

Kshan mein door kare.... Om jai jagdish hare

Jo dhyaave phal paave Dukh bin se mann ka

Swami dukh bin se mann ka

Sukh sampati ghar aave ....Sukh sampati ghar aave

Kasht mite tan ka.... Om jai jagdish hare

Maat pitaah tum mere Sharan kohon kiski

Swami Sharan kohon kiski...

Tum bin aur na duja.... Tum bin aur na duja

Aas karoon main kiski Om jai jagdish hare

Tum puran parmatma Tum antariyaami

Swami tum antariyaami

Par brahm parmeshvar Par brahm parmeshvar

Tum sabke swami.... Om jai jagdish hare

Tum karuna ke saagar Tum paalan karta

Swami tum paalan karta

Main moorakh khalkaami....Kaise vak tum swami

Kripa karo bharta.... Om jai jagdish hare

Tum ho ek agochar sab ke praan pathi

Swami sab ke praan pathi

Kis vidu miloon daya maya

Kis vidhi miloon Dayamay Kis vidhi miloon Dayamay

Tum ko main kumati Om jai Jagdish hare

Deen bandhu dukh harta taatuk tum mere.... Swami Rakshak tum mere

Apne haath uthao Apni sharan lagaao

Dwaar paethaa tere.... Om jai Jagdish hare

Vishay vikaar mitaavo Paap haro Devaa Swaami paap haro Deva

Shradhaa bhakti badaavo Shradhaa bhakti badaavo

Santan ki sevaa Om jai Jagdish hare

Om jai jagdish hare Swami jai jagdish hare

Bhakt jano ke sankat Daas jano ke sankat

Kshan mein door kare.... Om jai jagdish hare

Om jai jagdish hare Swami jai jagdish hare

Bhakt jano ke sankat Daas jano ke sankat

Kshan mein door kare.... Om jai jagdish hare.

karpūragauraṁ karuṇāvatāraṁ sansārsāram bhujagendrahāram | sadāvasantaṁ hṛdayāravinde bhavaṁ bhavānīsahitaṁ namāmi ||

हनुमान चालिशा

श्रीगुरु चरन सरोज रज निज मनु मुकुरु सुधारि
बरनऊं रघुबर बिमल जसु जो दायकु फल चारि
बुद्धिहीन तनु जानिके सुमिरौं पवन कुमार
बल बुद्धि बिद्या देहु मोहिं हरहु कलेस बिकार

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर
जय कपीस तिहुं लोक उजागर

संकर सुवन केसरीनंदन
तेज प्रताप महा जग बन्दन

रामदूत अतुलित बल धामा
अंजनि पुत्र पवनसुत नामा

विद्यावान गुनी अति चातुर
राम काज करिबे को आतुर

महाबीर बिक्रम बजरंगी
कुमति निवार सुमति के संगी

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया
राम लखन सीता मन बसिया

कंचन बरन बिराज सुबेसा
कानन कुंडल कुंचित केसा

सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा
बिकट रूप धरि लंक जरावा

हाथ बज्र औ ध्वजा बिराजै
कांधे मूंज जनेऊ साजै

भीम रूप धरि असुर संहारे
रामचंद्र के काज संवारे

लाय सजीवन लखन जियाये
श्रीरघुबीर हरषि उर लाये
रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई
तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई

सहस बदन तुम्हरो जस गावैं
अस कहि श्रीपति कंठ लगावैं
सनकादिक ब्रह्मादि मुनीसा
नारद सारद सहित अहीसा

जम कुबेर दिगपाल जहां ते
कबि कोबिद कहि सके कहां ते
तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा
राम मिलाय राज पद दीन्हा

तुम्हरो मंत्र बिभीषन माना
लंकेस्वर भए सब जग जाना
जुग सहस्र जोजन पर भानू
लील्यो ताहि मधुर फल जानू

प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं
जलधि लांघि गये अचरज नाहीं
दुर्गम काज जगत के जेते
सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते

राम दुआरे तुम रखवारे
होत न आज्ञा बिनु पैसारे
सब सुख लहै तुम्हारी सरना
तुम रक्षक काहू को डर ना

आपन तेज सम्हारो आपै
तीनों लोक हांक तें कांपै
भूत पिसाच निकट नहिं आवै
महाबीर जब नाम सुनावै

नासै रोग हरै सब पीरा
जपत निरंतर हनुमत बीरा
संकट तें हनुमान छुड़ावै
मन क्रम बचन ध्यान जो लावै

सब पर राम तपस्वी राजा
तिन के काज सकल तुम साजा
और मनोरथ जो कोई लावै
सोइ अमित जीवन फल पावै

चारों जुग परताप तुम्हारा
है परसिद्ध जगत उजियारा
साधु संत के तुम रखवारे
असुर निकंदन राम दुलारे

अष्ट सिद्धि नौ निधि के दाता
अस बर दीन जानकी माता
राम रसायन तुम्हरे पासा
सदा रहो रघुपति के दासा

तुम्हरे भजन राम को पावै
जनम-जनम के दुख बिसरावै
अन्तकाल रघुबर पुर जाई
जहां जन्म हरि भक्त कहाई

और देवता चित्त न धरई
हनुमत सेइ सर्ब सुख करई
संकट कटै मिटै सब पीरा
जो सुमिरै हनुमत बलबीरा

जै जै जै हनुमान गोसाईं
कृपा करहु गुरुदेव की नाईं
जो सत बार पाठ कर कोई
छूटहि बंदि महा सुख होई

जो यह पढ़ै हनुमान चालीसा
होय सिद्धि साखी गौरीसा
तुलसीदास सदा हरि चेरा
कीजै नाथ हृदय मंह डेरा
कीजै नाथ हृदय मंह डेरा

पवन तनय संकट हरन मंगल
मूरति रूप
राम लखन सीता सहित हृदय
बसहु सुर भूप

Ramayan Paat in Chopai She Aaaramb Kae

मंगल मय रामायण नाम् , ताहि प्रथम करत प्रणाम् ।
रामायण सुरतरु की छाया, दुख भय दूर निकट जो आया ॥

सीता राम चरित्र अति पावन, मधुर सरस और अति मनभावन ।
जो यह कथा सुने और सुनावै, सोइ बैकुंठ परम पद पावै ॥

चौपाई—बन्दौं गुरुपद पद्म परागा, सुरुचि सुवास सरस अनुरागा ।
बन्दौं पार्वती शिव शंकर, करहु कृपा मोहि जानिय किंकर ॥
तव गुण मात शारदा गाऊं, पुनि पुनि शीश नवाय मनाऊं ।
बन्दौं महावीर हनुमाना, राम जासु यश आप बखाना ॥
सीय राममय सब जग जानी, करौं प्रणाम सप्रेम सुबानी ।
कहन चहौं रघुपति गुणगाहा, लघुमति मोर चरित अवगाहा ॥
नमो नमो रामायण माता, देहु प्रतीश करहु गुण गाथा ।
दोहा—राम कथा मन्दाकिनी चित्रकूट चित चारु ।
तुलसी सुभग सनेह वन, सिय रघुबीर विहारु ॥

Ramayan Starter

[1] जय जय तुलसी जय जय राम ,जय bhaiya लक्ष्मण जय हनुमान || (१)

[2] Mangal bhavan amangal hari Drabahu sudasarath achar bihari
Ram siya ram siya ram jay jay ram Ram siya ram siya ram jay jay ram

रामायण कथा बिसर्जन

कथा बिसर्जन होत है, सुनहु बीर हनुमान
रान लखन श्री जानकी, सदा करहुँ कल्याण
एक घड़ी आधी घड़ी आधौ में पुनि आध
तुलसी संगत साधु की, कटे कोटि अपराध

जो जन जहां से आयहु, कथा सुनेहु मन लाय
अपने अपने धाम को बिदा होहु हरषाय
श्रोता सब आश्रम गये, शंभु गये कैलाश
रामायण मम ह्रदय में, आय करहु तुम बास

कहेहु दन्डवत प्रभु सन, तुमहि कहौ कर जोरि
बार बार रघुनाथ कहिं, सुरति करायहु मोरि
बार बार बर मांगहु, हर्षि देहु श्री रंग
पद सरोज अनपायनी, भत्कि सदा सत संग

जाहु पवन सुत शयन कतो, मानस भई विश्राम
नाथ तुम्हारे दास को, सिद्ध भये सब काम
हरि शरनन गुरु शरनन, शरनन गौरी गनेश
तुलसी दास प्रभू के शरनन, शरनन अवध नरेश

राम लखन श्री जानकी, भरत शत्रुघन भाय
कथा विसर्जन करतु हौं, ईशहि शीश नवाय
साधु संत को बन्दगी, ब्राह्मन को परणाम
श्रोता गण कर जोरि कर, सब को सीता राम

सिया वर रामचंद्र की जै, उमा पति महादेव की जै
पवन सुत हनुमान की जै, रामायण महारानी की जै,
राधे प्रिये कृष्णचद्र की जै, सनातन धर्म की जै जै,
बोलो भाई सब संतन की जै ॥

Chama Aachna

Hum apne haatoh koh jor leteh hai, bhagwaan keh saamneh shir jhuka kar keh, bhagwaan sheh prathna vinti karteh hai ki yeh dukhoh koh harneh wale heh bhakth wastr, yeh sabhi key liyeh Narayan , yeh Ram Chandr Ji, Aaj yahan par aakar, ek pariwaar keh roop meinaapki katah koh swaran kiyeh, kirtan ki gayak ko kare, Ramayan Parchaar kiyeh, mantr upcharan keh duwara aapkoh manane ke koshish kiyeh bhagwan, Yeh bhagwan agar ish katha koh karne mein katha mein dhyaan lagamein mein saas bajah kuch bhi bajaneh mein yah mantr yah shabdh koh upcharan karneh mein kuch galtiya ho gayee ho toh naadan samajh kare maaf kar dena. Naa utna buddhi hai naa utna shakti nah to bal hai ki aap koh prapht kar sakeh yeh prabhu , lekin joh bhi tha app keh nimit kiya bhagwan ishkoh swikaar karo.

Agar hamari upar yah hamari kishi pariwaar keh kishi sadas keh upar koi sankat ho toh useh bhi haro. Aur apni kirpa jaise aap sabhi keh upar bhauchaar karteh hoh ushkeh upar bhi bhauchaar karo bhagwaan. Yeh Prathna binti lekar aap keh sarno mein aateh hai. Auur aap sheh chamah yaachna karteh hai.

Door karoh dhukh dard sabhi , chama karoh bhagwaan

Man mandir koh ujawal karo, deh kar nirmal gyaan.

जिस घर मे हो आरती, चरन कमल चितलाय ।
तहां हरि वासा करे, जोत अन्नत जगाये ॥
जहा भक्त कीर्तन करे, बहे प्रेम दरियाये ।
तहा हरि शर्वन करे, सत्य लोक से आये ॥
सब कुछ दीन्हाँ आपने, भेंट करूं क्या नाथ ।
नमस्कार की भेंट लो, जोडू मैं दोनो हाथ ॥

शांति पाठ

ॐ धौः शान्तिरन्तरिक्ष ँ शान्तिः पृथिवी शान्तिरापः शान्ति
रोषधयः शान्तिर्वनस्पतयः शान्तिर्विश्वे देवाः शान्तिर्ब्रह्म शान्तिः
सर्व ँ शान्तिः शान्तिरेव शान्ति सा मा शान्तिरेधिः
ॐ शांति शांति शांति ॥ सर्वारिष्टसुशान्तिर्भवतु ॥

ॐ सर्वशाम शुभम भवतु, ॐ सर्वशाम स्वार्थि भवतु,
ॐ सर्वशाम कल्यानं भवतु, सर्वशाम मंगलम् भवतु
ॐ सर्वशाम शान्तिं भवतु ॥

प्रसाद मंत्र

जजमान को पञ्चाामृत प्रदान करें :-

राम कहे सुख ऊपजे, कृष्ण कहे दुख जाए ।
महिमा महा प्रसाद के, पावे जो प्रीत लगाए ॥

राम नाम मणीदीप धरो, जीव देहरी द्वार ।
तुलसी भीतर बाहरों, जो चाहो उजिआर ॥

राम नाम कहते रहो, जब लग घट में प्राण
कबहुँ तो दीन दयाल के, भनक पड़ेगी कान ॥